

दिनांक 10.9.2025 को " समर्थ उत्तर प्रदेश- विकसित उत्तर प्रदेश @2047" विषय पर विचार विमर्श एवं सुझाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।





कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम -विजन @2047 का हुआ आयोजन

बकेवर । समर्थ उत्तर प्रदेश झ विकसित उत्तर प्रदेश 2047 कार्यक्रम के अंतर्गत जनता कॉलेज, बकेवर में विचार-विमर्श एवं सुझाव कार्यक्रम के तहत कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम विजन @2047 का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने स्वागत उद्बोधन में विकसित भारत 2047 के विजन पर अपने विचार तथा सुझाव प्रस्तुत किये, जिसमें कॉलेज कैम्पस में जल भराव की समस्या का स्थाई निदान, मृदा उर्वरकता की पहचान हेतु मिट्टी परीक्षण किट डेवलप की जाए जो किसानों को मिट्टी के बारे में पूरी जानकारी उनके घर या उनके पास में मिल जाए।

प्रत्येक गांव को पशुपालन तथा खेती से प्राप्त पदार्थ से कार्बनिक खाद बनाने की ट्रेनिंग दी जाए और रासायनिक खाद से स्वास्थ्य पर तथा मिट्टी पर प्रभाव पर जागरूकता कार्यक्रम कराए जाएं। कार्बनिक खादों के प्रयोग से प्राप्त उपज का किसानों को मार्केट किसानों के गांव के पास कलेक्शन सेंटर बनाकर के बेचने की व्यवस्था की जाए जिससे वर्तमान चलन के अनुसार उनका अच्छा दाम मिल सके। कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सभी कंपोस्ट नेडफ खाद बनाकर उनकी पैकिंग से

लाभ प्राप्त तथा किया जाए। फसल से प्राप्त प्रोडक्ट का पोस्ट हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजी जिसमें खाद्य पदार्थ की पैकेजिंग, अच्छे खाने वाले अनाज की पैकेजिंग, फूड प्रोसेसिंग अचार पापड़ मुरब्बा सिरका दाल की बड़ी छोटे-छोटे एंटरप्रेन्योर विकसित कर से सशक्त किया जाए। कुटीर उद्योग जो कि भारत की रीढ़ हुआ करते थे उनका पुनर्विवान किया जाए विकास का मॉडल छोटे स्तर से लेकर के ऊपर के स्तर पर फैलो किया जाए। एफपीओ को छात्रों तथा किसानों के साथ जोड़कर के कृषि स्नातक के छात्रों की ऊर्जा तथा ज्ञान का उपयोग तथा समर्थ उत्तर प्रदेश बनाने में प्रयोग किया जाए।

सरकार यदि छात्र एफपीओ तथा किसान लिंकेज बनाएगी तो निश्चित रूप से नई टेक्नोलॉजी समाज में जाएगी जिससे कि गांव लेवल पर समर्थता बढ़ेगी।

परंपरागत आत्मनिर्भरता से व्यावसायिक आत्मनिर्भरता की ओर हम बढ़े। परंपरागत फसलों की जगह हम मोटे अनाज जो आज प्रचलन में है उनका तथा उनसे बने प्रोडक्ट को किसानों के खेत पर या घरों में तैयार कर बड़े-बड़े मार्केट में भेजने के लिए सहायता करें। कृषि को विविधीकरण से पहले सर्वे कर फसल के अनुकूल फसल क्षेत्र चिन्हित करें जैसे यदि गेहूं का क्षेत्र



है तो गेहूं यदि मोटे अनाज का क्षेत्र है तो मोटे अनाज फूलों का क्षेत्र है तो फूलों की खेती मसाले का क्षेत्र है तो मसाले की खेती इस तरह के क्लस्टर बनाकर के यदि हम किसानों को खेती करने के लिए प्रेरित करेंगे तो निश्चित रूप से लाभ प्राप्त होगा खेती के साथ-साथ पशुपालन को बढ़ावा देना भी अति आवश्यक है क्योंकि पशुपालन अर्थ सृजन का बहुत बड़ा स्रोत है जनपद इटावा में बकरी पालन को बढ़ावा दिया जा सकता है जिसमें जमुनापारी बकरी को संरक्षित कर संवर्धन किया जाए तो आए अच्छी प्राप्त होगी सरकार के द्वारा बनाए गए स्वयं सहायता समूह को मॉनिटरिंग करने की आवश्यकता है क्योंकि स्वयंसेवी समूह में अधिकतर महिलाएं जुड़ी हुई हैं महिलाएं

कृषि के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के घरों पर उपलब्ध संसाधनों से छोटी-छोटी आय कमा सकती हैं जैसे अचार पापड़ मुरब्बा जैन जेली सूट, टेडी बेयर इको फ्रेंडली कागज के लिफाफे, कट फ्लावर, दूध से बने प्रोडक्ट आदि हमें सरकार की योजनाओं को युवा पीढ़ी के साथ जोड़कर उनका आर्थिक निर्भरता की ओर ले जाना पड़ेगा तभी हम समर्थ होंगे इसी तरह से जनपद इटावा में वीहड का क्षेत्र है ऊंचे ऊंचे सेंड के पहाड़ हैं जहां पर खेती संभव नहीं है उनको कृषि के छात्रों को यदि प्रयोगात्मक कार्य हेतु जोड़ा जाए जिसमें किसानों की तथा कृषि विभाग उत्तर प्रदेश की सहभागिता हो उसको समतलीकरण कर कंदूर फार्मिंग, फलों की खेती तथा अन्य प्लांटेशन कर आर्थिकता से जोड़ा

जा सकता है कार्यक्रम का सफल संचालन सह-संयोजक प्रो. एम.पी. सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संयोजक प्रो. पी.के. राजपूत ने दिया। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी ओंकार सिंह, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी प्रमोद कुमार, बकेवर नगर पंचायत अध्यक्ष विवेक यादव सहित 50 से अधिक प्रगतिशील किसान, कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापकों मे डॉ. एम.पी. यादव, डॉ. धर्मेश कुमार, डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. मनोज यादव, डॉ. आनंद सिंह, डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह, डॉ. संतोष कुमार सिंह चंदेल, डॉ. डी.जे. मिश्रा तथा शिक्षक अजय शर्मा, अश्विनी मिश्र, सत्यम गुप्ता, लोकेन्द्र प्रताप सिंह, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनता कॉलेज बकेवर में कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम -विजन 2047 आयोजित

बकेवर । समर्थ उत्तर प्रदेश झ विकसित उत्तर प्रदेश 2047 कार्यक्रम के अंतर्गत जनता कॉलेज, बकेवर में विचार-विमर्श एवं सुझाव कार्यक्रम के तहत कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम विजन 2047 का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने स्वागत उद्बोधन में विकसित भारत 2047 के विजन पर अपने विचार तथा सुझाव प्रस्तुत किये, जिसमें कॉलेज कैम्पस में जल भराव की समस्या का स्थाई निदान, मृदा उर्वरकता की पहचान हेतु मिट्टी परीक्षण किट डेवलप की जाए जो किसानों को मिट्टी के बारे में पूरी जानकारी उनके घर या उनके पास में मिल जाए। प्रत्येक गांव को पशुपालन तथा खेती से प्राप्त पदार्थ से कार्बनिक खाद बनाने की ट्रेनिंग दी जाए और रासायनिक खाद से स्वास्थ्य पर तथा मिट्टी पर प्रभाव पर जागरूकता कार्यक्रम कराए जाएं। कार्बनिक खादों के प्रयोग से प्राप्त उपज का किसानों को मार्केट किसानों के गांव के पास कलेक्शन सेंटर बनाकर के बेचने की व्यवस्था की जाए जिससे वर्तमान चलन के अनुसार उनका अच्छा दाम मिल सके। कुटीर उद्योग जो कि भारत की रीढ़ हुआ करते



थे उनका पुनर्विवान किया जाए विकास का मॉडल छोटे स्तर से लेकर के ऊपर के स्तर पर फैलो किया जाए। एफपीओ को छात्रों तथा किसानों के साथ जोड़कर के कृषि स्नातक के छात्रों की ऊर्जा तथा ज्ञान का उपयोग तथा समर्थ उत्तर प्रदेश बनाने में प्रयोग किया जाए। बनाए गए स्वयं सहायता समूह को मॉनिटरिंग करने की आवश्यकता है क्योंकि स्वयंसेवी समूह में अधिकतर महिलाएं जुड़ी हुई हैं महिलाएं कृषि के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के घरों पर उपलब्ध संसाधनों से छोटी-छोटी आय कमा सकती हैं जैसे अचार पापड़ मुरब्बा जैन जेली सूट, टेडी बेयर इको फ्रेंडली कागज के लिफाफे, कट फ्लावर, दूध से बने प्रोडक्ट आदि हमें सरकार की योजनाओं को युवा पीढ़ी के साथ जोड़कर

उनका आर्थिक निर्भरता की ओर ले जाना पड़ेगा तभी हम समर्थ होंगे। इसी तरह से जनपद इटावा में वीहड का क्षेत्र है ऊंचे ऊंचे सेंड के पहाड़ हैं जहां पर खेती संभव नहीं है उनको कृषि के छात्रों को यदि प्रयोगात्मक कार्य हेतु जोड़ा जाए जिसमें किसानों की तथा कृषि विभाग उत्तर प्रदेश की सहभागिता हो उसको समतलीकरण कर कंदूर फार्मिंग, फलों की खेती तथा अन्य प्लांटेशन कर आर्थिकता से जोड़ा जा सकता है। हम दो तरह की लिंकेज चाहते हैं जिसमें छात्र एफपीओ किसान साथ ही साथ छात्र-कृषि विभाग किसानों के साथ मिलकर समृद्ध भारत की तरफ आगे बढ़ा जाए तो निश्चित हम 2047 तक पूर्ण समृद्ध होंगे। हमारा उद्देश्य कृषि से अनुभव प्राप्त युवा किसानों से



जोड़कर मॉडल तैयार करें जो देश के काम आए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व आईएसपी.सी. श्रीवारतव ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य करना होगा। उन्होंने किसानों का मनोबल बढ़ाने और प्रगतिशील किसानों को प्रेरित करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि पूर्व मुख्य अभियंता आशीष अस्थाना ने किसानों को एफपीओ (FPO) बनाने और सहयोग की भावना से आगे बढ़ने की बात कही। उपनिदेशक कृषि, इटावा आर.एन. सिंह ने इटावा की कृषि विविधता, वीहड की समस्या, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, बासमती चावल का उत्पादन-निर्यात तथा दलहन-तिलहन में आत्मनिर्भरता जैसे बिंदुओं पर विस्तार

से बर्चा की। कार्यक्रम का सफल संचालन सह-संयोजक प्रो. एम.पी. सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संयोजक प्रो. पी.के. राजपूत ने दिया। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी ओंकार सिंह, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी प्रमोद कुमार, बकेवर नगर पंचायत अध्यक्ष विवेक यादव सहित 50 से अधिक प्रगतिशील किसान, कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापकों मे डॉ. एम.पी. यादव, डॉ. धर्मेश कुमार, डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. मनोज यादव, डॉ. आनंद सिंह, डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह, डॉ. संतोष कुमार सिंह चंदेल, डॉ. डी.जे. मिश्रा तथा शिक्षक अजय शर्मा, अश्विनी मिश्र, सत्यम गुप्ता, लोकेन्द्र प्रताप सिंह, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।